



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १५९]

तर्फ विल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल २४, १९८०/वैशाख ४, १९०२

No. 159]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 24, 1980/VAISAKHA 4, 1902

इस भाग में भिन्न-पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

मंत्रिमंडल सचिवालय

प्रधिममूर्च्छा

तर्फ दिल्ली, २१ अप्रैल, १९८०

शा० प्रा० २७० (३) :— राजपत्र, संविधान के अनुच्छेद ७७ के अनुच्छेद (३) द्वारा प्रकाश दिया गया एवं उनका संग्रहालय (कार्य-आवंटन) नियम, १९६१ से कर्ता संग्रहन करने के लिए निम्नलिखित नियम, दियां हैं, अधिकृत :—

१. (१) इन नियमों का नाम भारत सरकार (कार्य-आवंटन) एक सौ इकानामीसंघ संग्रहन नियम, १९८० है।

(२) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

२ भारत सरकार (कार्य-आवंटन) द्वारा १९६१ में प्रयम अनुसूची में, प्रतिविहार २ के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिविहार रखी जाएँगी, अर्थात् :—

“२. वाणिज्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय :

- (i) वाणिज्य विभाग
- (ii) नागरिक पूर्ति विभाग
- (iii) वस्त्र विभाग।”;

३. उक्त नियमों की द्वितीय अनुसूची में—

(क) “वाणिज्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय” शीर्षक के अन्तर्गत, “क्र. नागरिक पूर्ति विभाग” उप शीर्षक और उसके अन्तर्गत प्रतिविहारों के पश्चात्, निम्नलिखित उपशीर्षक और प्रतिविहार रखी जाएँगी, अर्थात् :—

“ग. वस्त्र विभाग

१. बूट, जूट उत्पाद और हस्तशिल्प और सभी वस्त्रों और कठी वस्त्रों, जिनमें हैडलूम और मिले-सिलाएँ, वस्त्र शामिल हैं, का उत्पादन, वितरण (देश में उत्पादन और विकास तथा रेशम और सेलुलो-मिक्रो पल्टुओं, जिनमें गैर-सेन्ट्रलेसिक संशिलाष्ट उत्पन्न (नायालान, पालियेस्टर, एक्लिक, आदि) नहीं हैं, के उत्पादन से संबद्ध उच्चोग।
२. वस्त्र आयूर्जन।
३. पटमन आयूर्जन।
४. जट कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड।
५. काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड।
६. अग्निल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड।
७. अग्निल भारतीय हथकरघा बोर्ड।
८. राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड।
९. रेशम कीट पालन।
१०. केन्द्रीय रेशम बोर्ड।
११. हैडलूम विकास आयूर्जन।
१२. अहमवालाद टेक्सटाइल इन्डस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन, अहमदाबाद।
१३. वस्त्रहैं टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, बम्बई।
१४. दि सिल्क एंड स्टार्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, बम्बई।

15. वि माउथ इंडिया टेक्स्टाइल रिमर्च एसोसिएशन, कोयम्बटूर ।

16. बूल रिमर्च एसोसिएशन, बम्बई ।

17. इंडियन जूट इंडस्ट्रीज रिमर्च एसोसिएशन, कलकत्ता ।

18. नाईने इंडिया टेक्स्टाइल रिमर्च एसोसिएशन, नई दिल्ली ।

(अ) "उद्योग मंत्रालय" शीर्षक के अन्तर्गत, "क. प्रीचोगिक विकास विभाग" उप शीर्षक के नंबरे, प्रविष्टि 6क से 6ट (दोनों समेत), प्रविष्टि 20क से 20च (दोनों समेत) और प्रविष्टि 20ट का लोप किया जाएगा ।"

तीलम संजीव रेड्डी,

राष्ट्रपति

[सं. 74/3/18/80-मनि०]

के० सहगल, संयुक्त मंचित्र,

CABINET SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th April, 1980

S.O. 270(E).—In exercise of the powers conferred by clause (3) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Government of India (Allocation of Business) (One hundred and forty first Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, in the First Schedule, for entry 2, the following entry shall be substituted, namely:—

2. Ministry of Commerce and Civil Supplies (Vanijya aur Nagrik Poorti Mantralaya)

(i) Department of Commerce (Vanijya Vibhag)

(ii) Department of Civil Supplies (Nagrik Poorti Vibhag)

(iii) Department of Textiles (Vastr Vibhag).;

3. In the Second Schedule to the said rules:—

(a) under the heading "MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (VANIJYA AUR NAGRIK POORTI MANTRALAYA)", after the sub-heading "B. DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES (NAGRIK POORTI VIBHAG)" and the entries thereunder, the following sub-heading and entries shall be inserted, namely:—

"C. DEPARTMENT OF TEXTILES (VASTR VIBHAG)

1. Production, distribution (for domestic consumption and exports) and development of jute, jute products, handicrafts and all textiles and woollens, including handlooms and ready-made garments, and industries relating to the production of silk and cellulosic fibres but excluding non-cellulosic synthetic fibres (nylon, polyester, acrylic, etc.).
2. Textile Commissioner.
3. Jute Commissioner.
4. Jute Corporation of India Limited.
5. Cotton Corporation of India Limited.
6. All India Handicrafts Board.
7. All India Handlooms Board.
8. The National Textile Corporation Limited.
9. Sericulture.
10. Central Silk Board.
11. Handloom Development Commissioner.
12. Ahmedabad Textile Industry's Research Association, Ahmedabad.
13. Bombay Textile Research Association, Bombay.
14. The Silk and art Silk Mills' Research Association, Bombay.
15. The South India Textile Research Association, Coimbatore.
16. Wool Research Association, Bombay.
17. Indian Jute Industries Research Association, Calcutta.
18. Northern India Textile Research Association New Delhi.;

(b) under the heading "MINISTRY OF INDUSTRY (UDYOG MANTRALAYA)" under the sub-heading "A. DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (AUDYOGIK VIKAS VIBHAG)", entries, 6A. to 6K. (both inclusive), entries 20A. to 20F. (both inclusive) and entry 20K. shall be omitted.

N. SANJIVA REDDY, President

[No. 74/3/18/80-Cab.]

K. SAIGAL, Jt. Secy.